प्रेषक,

महावीर सिंह चौहान, अनु सचिव, उत्तरॉचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून, दिनांक, ी मार्च, 2005

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत अधिष्ठान हेतु अवचनबद्ध मदों में धनावंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराँचल शासन के पत्र संख्या—554 / विअनु—1/2004, दिनांक 30.07. 2004 में दिये गये निर्देशों एवं शासनादेश सं० 1230 / नौ—1—सिं० (01बजट)/03/04 दिनांक 31.03.2004, एवं शासनादेश सं० 1349 / नौ—1—सिं० (01बजट)/03/04 दिनांक 06.04.2004, शासनादेश सं० 1666 / II—2004—03 (01)/03 दिनांक 06.05.2004, शासनादेश सं० 2998 / II—2004—03 (01)/03 दिनांक 13.08.2004 एवं शासनादेश सं० 4302 / II—2004—03(01)/04 दिनांक 06.11.2004, शासनादेश सं० 4465 / II—2004—03(01)/04 दिनांक 29.11.2004 एवं आपके पत्र सं० 646 / मु०अ०वि० / वि०नि० / सी—2 डी अधिष्ठान दिनांक 23.02.2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के अधिष्ठान के बचनवद्ध / अबचनबद्ध मदों हेतु संलग्नक में अंकित विवरणानुसार रू० 42.24 लाख (रूपय बयालीस लाख चौबीस हजार मात्र) की धनराशि सम्बन्ध में उल्लिखित अनुदान / लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिकां के सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों/सामग्रियों का क्रय डी०जी०एस० एण्ड डी० की दर पर अथवा टेण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

2- स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाय। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

3- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।

4- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिनमें वह स्वीकृत किया जा रहा है।

5— स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2005 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा और यदि कोई धनराशि अवशेष रह जाती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।



इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष— 2004—05 में अनुदान संख्या— 20 लेखाशीर्षक 2701 मुख्य तथा मध्यम सिंचाई—01—मुख्य सिंचाई वाणिज्यिक आयोजनेत्तर के अन्तर्गत वर्णित शीर्षक के प्राथमिक इकायों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अवशावप्रवसंव 600/विवअनु0-3/2004, दिनांक 01 मार्च,2005 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय, (महाबीर सिंह चौहान) अनु सचिव।

संख्या- ⁶⁷⁹ 11-2005-03(01)/04तद्दिनांक।

ः प्रतिलिपिनिम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- ्2— वित्तः विभाग (वित्तः अनुभाग-3) उत्तरॉचलः शासन।
- 3- नियोजन विभाग, उत्तराँचल शासन।
- 4- निजी सचिव, मा० राज्य मंत्री, सिचाई एवं ऊर्जा विभाग।
- 5- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरॉचल शासन।
- 6- कोषाधिकारी / जिलाधिकारी, देहरादून उत्तरॉयल।
- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - 8- गार्ड फाईल।

संलग्नक-यथोक्त।

(महावीर सिंह चौहान) अनु सचिव।

शासनादेश सं0 77 ।।-2005-03 (01)/04 दिनांक । मार्च, 2005 का संलग्नक

(धनराशि लाख रू० में)

700	-\\\	(धनराशि लाख रू०
页0 衬 0	लेखाशीर्षक	आवंटित धनराशि
1	2	3
	20 / 2701 – मुख्य तथा मध्यम सिंचाई 01 – मुख्य सिंचाई वाणिज्यिक 001 – निदेशन तथा प्रशासन	
	03—निदेशन	
1	०४-यात्रा व्यय	1.33
2	07-मानदेय	0.15
3	08-कार्यातय व्यय	0.75
4	11-लेखन सामग्री और फार्मो की छपाई	0.30
5	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	0.98
	योग	3.51
	04 कार्यकारी अधिष्ठान	
1	04-यात्रा व्यय	13.17
2	07-मानदेय	2.00
3	०८-कार्यालय व्यय	7.50
4	11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	2.03
5	12-कार्यालस फर्नीचर एवं उपकरण	1.00
6	16—व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	5.00
7	17-किराया उपशुल्क और कर-स्वामित्व	, 0.33
8	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	5.33
	योग	36.36
	08 सिंचाई सलाहकार समिति का अधिष्ठान	
1	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	1.30
2	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	0.90
3	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण एवं तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	0.17
	योग	2.37
	महा योग	42.24

(रूपये बयालीस लाख चौबीस हजार मात्र)

(भहावीर सिंह चौहान) अनु सचिव।